वालक अवस्था

فاضل کاشمیری

FAZIL KASHMIRI

بالک اوستھا

बालक अवस्था

(Krishna Leela)

از :- فاضل کاشمیری

(FAZIL KASHMIRI)

۱۔ ٹائیٹل :۔ بالک اوستھا

۲۔ مُصنِف :۔ فاضل کاشمیری

۳۔ کتبہ :۔ ا۔ اردو رسم خط : فاضل کاشمیری

ب۔ ہندی : پرتھوی ناتھ سائل

۴۔ صفحات :۔ ۱۱۲

۵۔ ہدیہ :۔ Rs3/-

مطبوعہ :۔ گلفشن پریس سرینگر

ملنے کا پتہ :۔

FAZIL KASHMIRI

R/o DAB TAL, SRINAGAR-2, KASHMIR. 190002.

"بالک اوستھا" کا یہ تیسرا ایڈیشن

بحسنِ سعیِ

شری دھرم ویر بترہ

چھپ گیا۔

بانٛسرِ تُل

ژٕ پریمُک تہٕ لولُک مُجسّم مُجسّم - فِدا چھی ژٕ بے کم کم ذرا بانٛسرِ تُل

बान्सरी तुल

च़ प्रेयमुक तुलोलुक मुज्जसम मुज्जसम
फ़िदा छी चे़ कम कम ! ज़रा बांसरी तुल

کرشن کہانی

از قلم مہاتما مانس کنکر کوشل کشور داس (چترکوٹ ، یو۔پی۔انڈیا)
تحریر :- کماری ستطلیش شرما ، ایم۔اے۔(راپور ، ضلع غازی آباد ")
پڑتال :- کماری انجنا ، ایم۔اے۔ ، بی۔ایڈ۔ (" " " ")

कृष्ण कहानी

उग्रसेन और देवक दो भाई थे। उग्रसेन मथुरा के राजा थे उनका पुत्र कंस था। देवकी देवक की कन्या थी छोटी बहेन होने के नाते कंस देवकी को अत्यन्त स्नेह करता था। देवकी को विवाह योग्य हुई देखकर सर्व-गुण सम्पन्न शूरसेन के पुत्र वसुदेव के साथ देवकी का विवाह स्थापित कर दिया। कंस को देवकी के विवाह की अत्यन्त खुशी थी उसने देवकी को दहेज में बहुत धन दिया और अधिक स्नेह होने के कारण से कंस देवकी को स्वयं रथ में बैठाकर विदा करने गया जिस समय कंस देवकी को विदा कर रहा था उसी समय आकाशवाणी हुई कि हे! राजा कंस जिस बहिन को तू इतना स्नेह करता है उसी का आठवाँ पुत्र तेरा काल

होगा। जब कंस ने इस प्रकार सुना तो वह आश्चर्य में पड़ गया कि यह क्या कहा तो फिर वही आकाश-वाणी पुनः हुई सुनकर कंस को बड़ा क्रोध आया तब कंस ने सोचा कि इसके गर्भ से ही वह आठवाँ पुत्र जन्म लेगा, अतः इसी को मार दूँ जब ये ही नहीं रहेगी तो फिर पुत्र कहाँ से होगा, ऐसा सोचकर कंस ने देवकी के केश पकड़ कर उसको मारने के लिए तलवार म्यान से निकाली, जैसे ही मारने को तैयार हुआ, वसुदेव ने कंस का हाथ पकड़ कंस से प्रार्थना की कि यह स्त्री है, अबला है, आपकी बहिन है फिर नवविवाहिता है अतः आप इसको न मारें। इस के जो पुत्र होंगे उन्हे हम आपको सौंप देंगे। जब देवकी के प्रथम पुत्र उत्पन्न हुआ तो वसुदेवजी कहे अनुसार उस पुत्र को कंस के पास ले गये तो उसे देखकर कंस को दया आ गई तभी नारदजी वहाँ आये और कहा कि राजन आप इसे छोड़ते क्यों हैं। देवताओं की वाणी जानी नहीं जाती पता नहीं कौन सा पुत्र आठवाँ हो जाये फिर कमल के फूल की पखु-रियों को आगे पीछे से गिनवाया जिससे आठवीं संख्या पहले और बाद में दोनों तरफ हो जाती थी। इस प्रकार

कंस के हाथों छः पुत्रों को वसुदेव जी देते रहे। देवकी के सातवे गर्भ में शेषनाग भगवान थे। उनको देवताओं ने अपनी योगमाया से रोहिणी के गर्भ में पहुँचा दिया। रोहिणी वसुदेव की ही पत्नि थी वसुदेवजी कंस के कारागार में देवकी के साथ बन्दी थे इस लिये उन्होने अपने मित्र नन्दजी के यहाँ गोकुल में रोहिणी को रहने को भेज दिया था। अब आठवे गर्भ में जब जगदाधार प्रभु के अवतरित होने का समय आया तब कंस ने अत्यधिक कड़ा पहरा लगा दिया। जब प्रभु अवतरित हुये तो उस समय पहरेदारों को नींद आ गई। प्रभु देवकी के सामने चतुर्भुजी रूप में प्रकट हुये तब देवकी ने उनसे शिशु के रूप में बनने की प्रार्थना की प्रभु छोटे बालक बन गये। भगवान ने उनसे कहा कि हमें गोकुल में नन्दजी के यहाँ पहुँचा दो और वहाँ उन के यहाँ कन्या उत्पन्न हुई है उसको यहाँ ले आओ वसुदेव जी के हाथों में पड़ी बेड़ियां खुल गई समस्त द्वारों में पड़े ताले स्वयं खुल गये सब पहरेदार गहरी नींद में सो गये जब श्रीकृष्ण को लेकर वसुदेव चले तो उस समय वर्षा बहुत जोरों से हो रही थी इसलिये शेषनाग

ने अपने फन फैलाकर भगवान के ऊपर छत्रछाया कर दी उस समय यमुना का जल ऊपर तक बढ़ आया तब भगवान ने उनका भाव समझकर सूप से अपना पैर निकाल कर स्पर्श कराया। यमुना जी चरण स्पर्श कर के प्रसन्न हो गई और उन्हे मार्ग दे दिया। वसुदेव जब गोकुल पहुँचे तो वहाँ नन्द जी घर सब सो रहे थे। अवसर पाकर वसुदेव जी ने माता यशोदा के पास कृष्ण जी को लिटा दिया और कन्या को उठा लिया और मथुरा आकर देवकी को दे दिया कारागार में पहले की ही भाँति ताले पड़ गये। कन्या का रुदन सुनकर सब पहरेदार जाग गये। खबर पाते ही कंस वहाँ आया कन्या को देखकर उसने सोचा ये तो कन्या है पुत्र बताया था किन्तु तभी देवताओं की माया का विचार आते ही ज्योंही कन्या को पृथ्वी पर पटकने के लिये उठाया वह हाथ में से आकाश में उड़ गई और बोली अरे! राजा कंस तू मुझे काहे मारता है तेरे मारने वाला तो गोकुल में पैदा हो चुका है। कंस ने दरबार में आकर मन्त्रियो को यह समाचार सुनाया तो सबने कहा यह तो हमारे बायें हाथ का खेल है हम उस बालक का पता लगा कर अभी काम तमाम कर देते हैं तब कंस ने बहुत से

निशाचरों को कृष्ण के मारने के लिये गोकुल भेजा लेकिन वे स्वयं ही काल का ग्रास बन गये जो भी जाता उसको वापिस न आते देख कंस ने पूतना को बुलाया उसने कहा मैं जितने गोकुल में बच्चे हैं सबको खा जाऊंगी इससे कंस बहुत प्रसन्न हुआ। पूतना अपने स्तनों में विष लगा कर गोकुल में आई। वहाँ सब बच्चों को खाती हुई जब नन्द भवन में आई तो बहुत सुन्दर गोपी का रूप बना लिया और यशोदा से कहा मैं लाला की बधाई लेकर आई हूँ तथा कृष्ण जी को अपनी गोद में ले लिया यशोदा जी गृह में अन्य कार्य में लग गई पूतना ने विष लगे स्तनों को भगवान के मुँह में डाला तब प्रभु ने दूध के साथ उसके प्राणों को भी पी लिया। इस प्रकार शकटासुर, बकासुर, नरकासुर इत्यादि अनेकों राक्षसों का संहार किया। भगवान कंस को भी पहले ही मार सकते थे लेकिन इन राक्षसों को भी मारना था अतः कंस उन्हे वहाँ भेजता और प्रभु खेल-खेल में उन्हे मार देते थे। भगवान की माखन लीला में राजनीति थी क्योंकि ब्रज से सब माखन ऋण रूप में कंस को भेजा जाता था। भगवान ने सोचा इससे शत्रु को बल मिलता है वहाँ नहीं जाना चाहिये। दूसरे गोपियों का

उनपर बहुत स्नेह था जिस दिन कृष्ण जी उनके घर नहीं जाते तो उस दिन वे रो-२ कर पुकारती थी और आने पर माखन खिलाती। भगवान प्रत्येक कार्य लीला द्वारा करते थे। एक बार घर में माखन की मटकी फोड़ दी यशोदा जी ने ऊखल से बाँध दिया भगवान ने ऊखल को तिरछा करके यमलार्जुन का उद्धार किया। जब कंस को बहुत दिन हो गये तब नारद जी ने आकर कहा कि आप उन दोनों बालकों को धनुष यज्ञ के बहाने बुलाओ और ३ करोड़ कमल के पुष्प लाने को कहो। कंस ने अक्रूर को दोनों बालकों को लेने के लिए भेजा और आज्ञा दी कि यदि इतने पुष्प नहीं भिजवाये तो सारे गोकुल को यमुना जी में बहा देंगे। अक्रूर जी ने सब समाचार नन्द जी को सुनाया। माता यशोदा ने कृष्ण से कहा कि आज दूर खेलने मत जाना। लेकिन प्रभु ने सब सखाओं को साथ लेकर यमुना किनारे गेंद का खेल शुरू कर दिया। जब भगवान के पास गेंद आई तो उन्होंने यमुना में फैंक दी और फिर स्वयं भी उसमें कूद पड़े। वहाँ कालियानाग को नाथ उसके फन पर नृत्य किया और उसी पर ३ करोड़ कमल के पुष्प ला दिये। अक्रूर जी जब बलराम, कृष्ण को ले जाने लगे तो

समस्त व्रज विरह में रो रहा था तब भगवान ने उनको समझाया कि हम जल्दी आयेंगे। मथुरा पहुँच कुवलया पीड़ हाथी का उद्धार किया। मल्ल युद्ध में अनेक मल्लों को धराशाही किया। अपनी माता देवकी का बदला लेने के लिये ऊपर बैठे कंस को केश पकड़ कर मार कर उसका उद्धार किया। वसुदेव, देवकी को मुक्त किया। कंस के पिता उग्रसेन को कारागार से निकाल कर उन्हे राजसिंहासन पर बैठाया। जरासन्ध अपने दामाद का बदला लेने के लिये सत्रह बार सेना लेकर आया भगवान ने सबका ही संहार किया। जब अठारहवी बार उसने युद्ध किया तो भगवान द्वारका चले गये और रात भर में सब लोगों को द्वारका पहुँचा दिया और स्वयं एक पहाड़ी के पीछे से निकलकर कूद पड़े। जरासन्ध ने सोचा इतने ऊँचे से बचे नहीं होंगे और फिर पहाड़ी के चारों ओर आग लगवा दी फिर प्रसन्न मन से रहने लगा। उधर भौमासुर ने राजाओं की सोलह-हजार कन्याओं का अपहरण करके उन्हे बन्दी बनाया हुआ था उन्होने भगवान से प्रार्थना की तब प्रभु ने भौमासुर का वध करके उन्हे मुक्त किया फिर उनके

प्रार्थना करने पर उन्हे पत्नि रुप में स्वीकार किया। कौरव और पांड़वो की आपस में शत्रुता थी। पांडव भगवान कृष्ण के भक्त थे। कौरवों ने जुये का प्रपंच रचकर इनको हरा दिया तथा सब कुछ दाँव पर लगवा दिया। भरी सभा में द्रोपदी को नग्न करना चाहा लेकिन भगवान ने साड़ी को इतना बढ़ाया कि स्वंय दुःशासन खीचते-२ हार गया। बनमें भेज दिया, कभी लाक्षागृह में आग लगवाई, विष दिया किन्तु प्रभु सब तरह से उनकी रक्षा करते रहे। महाभारत के युद्ध में अर्जुन के सारथी बने युद्ध में जब अर्जुन को मोह हो गया तब उसे गीता का उपदेश दिया जरासन्ध को भीम के द्वारा मरवा दिया। अन्त में विजय पांडवो की हुई क्योंकि वे धर्म की लड़ाई लड़ रहे थे। हमेशा धर्म की विजय होती है। पांडवोंको राज्य दिलाकर प्रभु द्वारिका आ गये। भगवान कृष्ण की लीला का वर्णन कहाँ तक किया जाये यह लेखनी का विषय नहीं है विस्तार से वर्णन श्री भागवत में है।

श्री मनसा किंकर
कौशल किशोर दास
चित्रकूट वासी

कु० अंजना शर्मा

पैगाम — پیغام

یکدلی ہُند شہ گیوان چھے بانسرِ ۔ یُس کنن گو ونِہ لوٗگ جے جے ہری
مَن پوِتر یُس سپُد بس سے چھُ شہ
کیاہ مُسلمانی کرِبس کیاہ کافرِی

یکدلی ہُند شہ ...

यकदिली हुंद शाह ग्यवान छय बांसरी
यस कनन गव वनुनि लोंग "जय जय हरी"
मन पवितर यस सपुद बस सुय छु शाह
क्या मुसलमानी करथस क्या कांफिरी

جَے جَے !!

مَنس مَنز کرٛزان بانسرِی ہَنز مۄدر لَے
یہ لَے بالہٕ کرٛشنا چھ چانی ژےٚ جَے جَے !

یَرگُلیہ آیوٚہ گو وَتَن مَنز پیاپَے
یہ چھانی پہٕ بدہٕ مہرانی ژےٚ جَے جَے !

دوٗدُک سَرٛ یہِ تہٕ اَمرِت چھ کھاسَن بَرَن تَے
چھ اَتھ سَلسَبیلُچ رَوانی ژےٚ جَے جَے !

موکھس پیٹھ گلاب پانہٕ پَیمی ژےٚ چھے دَے
نہٕ کہنہٕ چھے بَرابَر نہٕ ثانی ژےٚ جَے جَے !

دُیٔ کمم گرٛدھتھ پانہٕ مَنزِل گرٛدھان لَے !
پہَے گوٚو گرٛان پاسبانی ژےٚ جَے جَے !

जय जय

मनस मंज़ अज़ान नासंरी हुज़ मोंदुर लय
यि लय बालु कृष्णा छे चांनी ज़े जयजय

पज़्युक आलुवाह गव वन्न मंज़ पयापय
यि चांनी छे बेड मेहरबांनी चे जयजय

दोदुक सोह तु अमरथ छे बास्थनबान
छे अथ सलसबीलुच स्वांनी ज़े जय जय

मोखस प्यठ ओलाद पानु प्रेमी चे कुय दय
न कांह कुय बराबर न सांनी चे जयजय

कुयी कम गंकिथ पानु मंज़िल मकान तय
यिमय गोण करान पासबांनी ज़े जयजय

नोट :— १—सोरगुक सर २— चे हुव
३— सिफ़त ४— रांछ

آگہی

بانسری

بالہٕ کرشنن یام دژنم آگہی کر
پادٕ گو ہر دس ہیٚے ذوقِ بندگی

بانسرِ ہندشہ چھُ پرٕبمک آتما
بانسرِ ہنز پے چھ سازِ دلبری

بوزِوِنی دوٚپ نۍ خودی ہند روٗپ رنگ
اَتھ خودی ہیٚتھ چھے فِدا کچھ بےخودی

وُچھ اَمی مورلی حقیقت واش کوٚڈ
کوٚر اَمی ظاہر زِ اوتار گو نبی

یکدلی منز گرہ وہیان سوٗرخ وسفید
فاصلا ! مورلی پنُن رنگ قدرتی

بارک اوستقا

बालकृष्णन याम दिज़नम आगंही[1]
पांदु गव हृदयस मंज़ौके बंदगी

बांसरी हुंद शह छु प्रेयमुक आत्मा
बांसरी हुंज़ लय छे साज़े दिलबरी

बोज़वुन्य दोंपनय खोंदी हुंद रूप रंग
अथ खोंदी प्यठ छय फ़िदा लछ बेसोंदी

वुछ अमी मोरली हेकीकंच वाश कोंड
कोंर अमी ज़ाहिर ज़ि अवतार गथनंबी

यकदिली मंज़ कर व्यपान सुरखो सफ़ेद
"फ़ांज़िला" मोरली पनुन रंग कोंदरंती

नोट:- १. जाग्रती,हाश , २.— दिलस
३.— शोक —४— हिशार
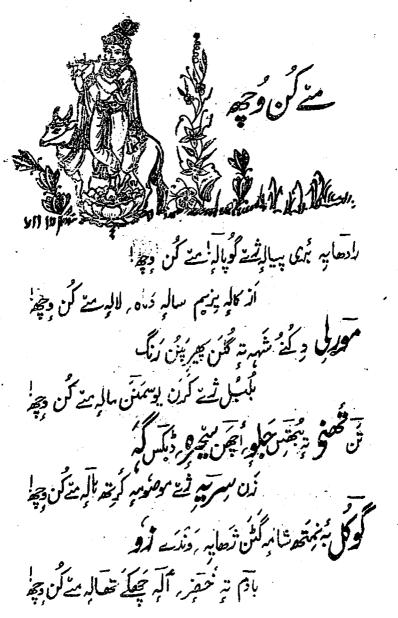
مےٚ کُن وُچھ

رادھایہ بۄہی پیالہٕ ژےٚ گوپالہٕ! مےٚ کُن وُچھ!

اَز کالہٕ پرٛیم سالہٕ دٕاہ، لالہٕ مےٚ کُن وُچھ!

موٗرلی دِکُنہٕ شہہ تہٕ گُلن پھیر پننۍ رنگ

بُلبُل ژےٚ کرن یوسمنَن سالہٕ مےٚ کُن وُچھ!

تن تھوٗنو تہٕ بتھن چلو، اَچھن سیچھرٕ ڈبکس گہ

زن سریہ ژےٚ موصوٗمہ کرِتھ نالہٕ مےٚ کُن وُچھ!

گوکُل بہٕ نمتھ شاہہ گژھن ژھایہ، وندے ژٕو

بادَم تہٕ خسِر، آلہٕ چھکے تھالہٕ مےٚ کُن وُچھ!

मे कुन वुछ

राधायि बेरी प्यालु च़े गूपालु मे कुन वुछ
अज़ कालु यिज़्थम सालु दमाहलालु मे कुन वुछ

मोरली दि कुनुय शह तु गुलन फेरि पनुनस
बुलबुल ज़े करन यासमनन मालु मे कुन वुछ

तन थंन्य तु बुथिस जलवु, अंकुन सेहरु बुथिस गाह
ज़न सिरियि च़े मोलूमु करिथ हालु मे कुन वुछ

गोकल बे निमथ श्यामु गटन क्रायि वंदयज़ुव
बादम तु खंज़ुर आंलु क्रकाय थालु मे कुन वुछ

नोट :—

१ गाश—,२,–थालवथालव–(थालुसूत्य)

ازِ چانہٕ کلے ٹھانہٕ وَژھے ملکہِ برتھ چھم ؟
داہہ ژہٕ اگر چکھ تہٕ بہٕ سنبھالہٕ مےٚ کُن وچھ !

دروازٕ تھاوٕے وُتھی تہٕ ژےٚ پژھتھ جایہ کرےٚ نزول
بو خونِ جگر بارِ شمع زالہٕ مےٚ کُن وچھ !

یوٚد لاگہِ بگری دوٚر تہٕ سمے گیلہٕ مےٚ وُچھو وچھو
کانہہ وایہ کرُن چھمنہٕ رٹھتھ نالہٕ مےٚ کُن وچھ !

چھے وگنہٕ گنڈِتھ دری تہٕ ژےٚ **گوپی** چھ غزلخوان
زنہہ ہرنہٕ **گمیلس** منزنہٕ دزتھ ژھالہٕ مےٚ کُن وچھ !

کم بایہ چھ فاضل، ژہِ سری **کرشنہ** نظر تل !
آسُن تہٕ نہٕ آسُن بہٕ ژےٚ یتھ گالہٕ مےٚ کُن وچھ !

अज़ चानि कले ठानु वछ़ुय मलरि वंरिथ छुम
दामाह च़ु अगर चख तु बं सम्बालु मेकुन वुछ

दरवाज़ु थवय वंट्य तु च़े हर जायि करय ज़ूल
बो खूनि जिगर हारु शमह ज़ालु मेकुन वुछ

योंद लागि वुकुर्य दौंर तु समय गेलि मे वुछ
कांह वायि करुन छुमनु रटथ नालु मे कुन वुछ

छुय विगनि गंडिथ देर्य तु च़े गूपी छि गज़ल खां
ज़ांह हरनु खोलिस मंज़ नु दिच़ुथ छ़ाल मेकुन वुछ

कम मायि कु "फ़ांज़िल" तु श्री कृष्णु नज़र तुल
आसुन तु न आसुन बं च़े पथ गालु मेकुन वुछ

—·—

سالہِ ہیتو

کرِشنہ گوپالہِ ! دَاہ سالہِ ہیتو! سِریہ میشالہِ ! دَاہ سالہِ ہیتو!

میانہِ امارِ ! چھِ مُشکل بے لدرِ وٕوٕنۍ کوٚوٕ ژالہِ ! دَاہ سالہِ ہیتو!

اِنتِظارِی، بیقرارِی پژالیس رَہ کُمس کھالہِ ! دَاہ سالہِ ہیتو!

اَنسرِی تُل زَن وٕسَن ہتھ سلسَبیل اُسی بَرَو پیالہِ ! دَاہ سالہِ ہیتو!

ذٲلمَن تھوٚوِ مَن سجاوِتھ لَس ژےٚ کیتُ

اَز سُلی کالہِ ! دَاہ سالہِ ہیتو !

सालु यितो

कृष्ण गूपाल दमाह सालु यितो
सिरियि मीसालु दमाह सालु यितो

म्यानि अमारु! छु मुशकिल बे रुखी
वौन्य कवो चालु दमाह सालु यितो

इन्तिज़ारी, बेकरारी प्रालबस[1]
राह कमिस खालु दमाह सालु-
यितो

बांसरी तुल ज़न वसन हथ सलसबील[2]
अंस्य बरव प्यालु दमाह सालु यितो

"फ़ाज़िलन" थौव मन सजाविथ बस छु क्युत
अज़ सुली कालु दमाह सालु यितो

नोट:— १. नसाब, तक़दीर २. स्वर्गुक सर।

لَے

یام شَہہ دیت کرٛشنہٕ اوتارَن نٔئے۔ تَجے ہیرٕ کوٗرنہٕ گیتہٕ سَمسارَن وَئے

اَزٕ نہٕ زانِتھ[۱] یا نہٕ زانِتھ گہہ بیکہہ

کُلؔ شئیِ جَے تھوٗتھ کن تَتھ لَے[۲][۳]

نوٹ:۔ ۱؎ زانِتھ یا نہٕ زانِتھ = شعوٗری طور یا غار شعوٗری حالتس منز۔

۲؎ کُلؔ شئیِ جَی = پرٛ کینژھہ زِندٕ چھہ۔ زٕ ذات جاندار

۳؎ لَے = موٗرلی ہٕنٛز آواز = کرٛشنہٕ سٕنٛز موٗرلی ہُند آلو۔

याम शह द्युत कृष्ण अवतारन नये
"जय हरी" कौर ज़गत सम्सारन दये
अज़ ति ज़ानिथ या नं ज़ानिथ गह बैगह
'कुलुशायुनहय' थविथ कन तथ लये

—०—

नोटः— 'कुलुशयनहय'— यि कें क़ाह ज़िंद कु
गह बैंगह = कुनि कुनि विज़ि
लये = आवाज़ि

گپالا!

گُپالا! پھولن گُل۔ ذرا بانسرِی تُل!

ژےٚ پیاراں چھہ بُلبُل۔ ذرا بانسرِی تُل!

ژِ پرٛیمُک تہ لولُک مُجسّم مُجسّم!

فِدا چھی ژےٚ کَم کَم، ذرا بانسرِی تُل!

نبَس پیٹھ سُلی کوٚر تمنّا ستارو

قدَم تھو، قدَم تھو، ذرا بانسرِی تُل!

ژےٚ پرتو میٚ ترٛوو تھ مگر ژھایہ ژھائے

گجس چھانہ مائے، ذرا بانسرِی تُل!

نوٹ:- پرٛیم = محبّت   پرتو = جلوہ   فِدا = قربان۔
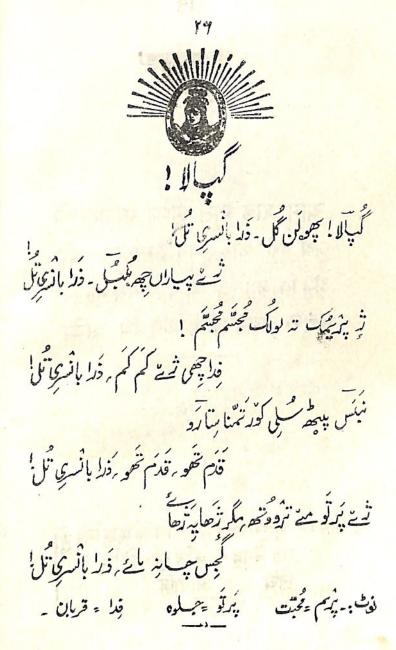
बान्संरी तुल

गुपाला ! फोलन गुल, ज़रा बांसंरी तुल
च़े प्रारान छि बुल्बुल ,ज़रा बांसंरी तुल

त्र प्रेयमुक तु लोलुक मुज्जसुम मुज्जसुम
फ़िदा छी च़े कम कम ! ज़रा बांसेरी तुल

नबस प्यठ सुलीकौर[1] तमन्ना[2] सितारौ
क़दम थव क़दम थव ज़रा बांसंरी तुल

च़े परतव[3] मे त्रोवुथ मगर छायि छाये
गंजिस चानि माये ज़रा बान्संरी तुल

नोट :— (1)- कीरबान, (2)- यछ़ा (3) जलव्

گٹن منز ہُرہِ گو، ہتو گاشرِ وُلِ!
اُچھن میلتو مُلی، ذرا بانسرِ تُل!

یمن گوپین منز ترٛےٚ مورلی دِتھ شہہ
تمو کور دُبی لہٕ[2]، ذرا بانسرِ تُل!

ژٕ بالک اوستھا[1] ترٛےٚ شوبھاچھ عظمت[3]
ژٕ زِ گیچ حقیقت، ذرا بانسرِ تُل!

کشش ہش کشش چھےٚ ترٛےٚ اتھ بالہٕ مانٛزِ پنس
ژٕ مرکز جہانس، ذرا بانسرِ تُل

دٲہ سانہٕ بیٛہتو! میٛنےٚ تھوٚوےٚ لوٚتھ[4] دِل
چھِ فاضل ترٛےٚ مائِل، ذرا بانسرِ تُل!

نوٹ: [1] بالک اوستھا :- MOST EXCELLENT CHILD.
[2] لہٕ :- انکار [3] عظمت = بجر [4] لوٚتھ = لوٚتھ دوٚتھ۔

गटन मंज़ हुस्थर गव यितो गाश्चारो वल्य
अंछन मेलतो मल्य, ज़रा बांसरी तुल

यिमन गूपियन मंज़ चे मौरली दितुथशह
तिमव कौर दुयी लह, ज़रा बांसरी तुल

चे बालक अवस्था, चे शोबा छे अज़ मंथ
चु ज़गतुच हकीकत, ज़रा बांसरी तुल

कशिश हिश्र कशिश छय चे अथ बालु पानस
चु मरकज़ जहानस, ज़रा बांसरी तुल

दमाह सानि बेहतो, मे थोवमय लिविथदिल
छु 'फाज़िल' चे मांगिल, ज़रा बांसरी तुल

नोट:—
१. झुनकार (२) नजर

نوٗرک آیہ

ہؤوم پان دِلی سوزٕ بوزٕمَس
مبشر بوٗزٕ اوٗسُس تہٕ اَنگ اَنگ سازٕ کوٗرمَس
وُدٲنس یَس اَتھ چھلیتھ ژھۄنیمَس کدوٗرت
تُلتھ نۄزٕ نگارٕ **نوٗرک آیہ** پوٗرمَس

نوٹ :- نوٗرک آیہ = سوٗرۂ نوٗر چھِ قرآنِ مجیدُک اَکھ سوٗرۂ شریف ۔
کدوٗرت = ملال ۔ بود ۔ نفرت ۔

नूरुक आयि

बनोवुम पान मोरली सोज़ बोंरमस
मेज़्युव ओसुस तु अंग अंग साज कोंरमस
वोंज़ुस यस निश छोंलिथ कुन्यमस कूरथ
तुलिथ ज़ंगार नूरुक[1] आयि पोंरमस

1 :- नूरुक आयि :-(सूरऐ नूरुक आयि, सूरऐ नूर छु कुरानि मंजीदुक अख सूरऐ शरीफ़)

سُنْدَر گیت

۱

آلِہ ۔ نابَد ۔ ژیرِ ۔ بادَم چھیکیو

لولہِ بُرہتیو کرشنہٕ لالو اَز ولو

دَرشنُک وٲنسَن مےٚ رۄدُم آرزو

لولہ بُرتیو

کرشنہٕ لالو اَز ولو!

پم خوشنُک سۄدرِ تہٕ ملیٹھہٕ میوٕ چھِہ تُھٹس جانانس پرژِ رژِ دزِ چھکنہ لوان ۔

गीत

ऑलु, नाबद, चेरु बादम वेकुयो
लोलु वंर्यत्यो। कृष्णु लालो अज़ वोलो
दर्शनुक वोंसि मे रूवुम
आरिज़ो
लोलु वंर्यत्यो
कृष्णु लालो अज़ वोलो

ہٕی تہٕ یٕمبرزٕل تہٕ جافرِ تےٚ گلاب
یاسمَن پمپوش ، وِرِکٕنۍ ، آفتاب
یِم دِیَن کرہٕ یادِ تِم گُل
لاگہٕ یو
لولہٕ بٕرِ تیو
کرٕشنہٕ لالو ! اَز وَلو

—.—

ہیانہٕ داٚران سینہ کِن پنجرَن اندر
اَکھ دِلچ کوٗٹھر چھہٕ پھیٹر زَن کھنڈر
چانہٕ باپتھ چھم لوِتھ تھوٗمُت
مےٚ دو
لولہٕ بٕرِ تیو
کرٕشنہٕ لالو ! اَز وَلو

—.—

ही तु यम्बुरज़ल तु जाफुर्य तय गुलाब
योसमन[1], पम्पोश[2], बिरिकेम्य[3] तय आफताब[4]
यिम दयन कर्य पाद गुल, तिम
लागुयो
लोलु— बर्यत्यो
लोलु बर्यत्यो! कृष्णु लालो अज़बोलो

स्यानि वारान सीनुक्यन पंजरन अंदर
अख दिलुच कूठुर के फुटमुच ज़न खण्डर
चानि बापथ कम लिविथ थव मुच
मे दो
लोलु बर्यत्यो
कृष्णु लालो! अज़ बोलो।

नोट:— [(1,2,3,4 — यिम छि पोशन हुन्द्य नाव]

سرِ یِہ ہو کھ۔ زُندرم ڈبکس تارِک جُرِتھ
ہَرِنہٕ چشمَن زَن ژرٕے چھےٚ امرِت بُرِتھ
دِل پھو لیم گاہے ژٕ بُہتھم

رو برو

لولہٕ بُرِتیو
کرشنہٕ لالو! اَز ولو

چانہٕ ویرے گوکلکی مَنزل ژھنڈم
وُنی دِتِم جمنایہٕ بھٹی بُٹھی پیٚ ٹھوم
دراصل چھم بس مےٚ چوٚنے
جستجو

لولہٕ بُرِتیو
کرشنہٕ لالو! اَز ولو

सिरियि मोख-चन्द्रम ड्यकस तारख जंरिथ
हरनु चशमन ज़न ज़्वे कुय अँमरूथ बंरिथ
दिल फोल्यम गाहे चु वेहतम
रोवरो
लोलु बंर्यत्यो !
कृष्णु लालो अज़ बोलो

चानि वेरे गूकलुक्य मंज़िल कंन्डिम
वंन्य दितिम जमनायि बंठ्य बंठ्यपयथवनि
दर असल कुमबस सेन्वोनुय
जुस्तजूँ
लोलु बंर्यत्यो !
कृष्णु लालो ! अज़ बोलो !!
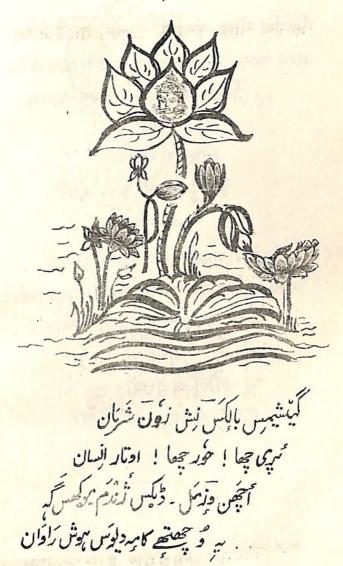
नोट :—
(१) आबे हयात (२) – तलाश

گیٛشیمِس بالکَس نِش نٕوَن شرٛیان

نٔیرِی چھا ! خٔود چھا ! اوتار اِنسان

اَچھَن وِزِمَل ۔ ڈیکس ژٕندَم یوکھس گہ

بہٕ وُچھتھے کامہٕ دیلوَس ہوش رٲوان

—.—

अवतार

गैशेमिस बालकस निश ज़ून शरमान
पंरी क्या! हूर क्या! अवतार इन्सान ।
अंबन वुज़मल, ड्यकस पंदरम मोसस गाह
यि वुछथुय काँमदीव (३) होश रावान ॥

—-—

[नोट :— कामुदीव *Beauty Incarnate*]

وَنہٕ وُن

سُمی تۄہی دیٖوٕلیٚہ شالہٕ آرِ ہے ترو
بالہٕ کرشنٔس کرو پوشہٕ پوٗزاے
پوشہٕ پوٗزا کٔرِتھ لولہٕ شبدا پٔرو ۔ بالہٕ کرشنٔس کرو

پوشہٕ پوٗزاے

— ۔ —
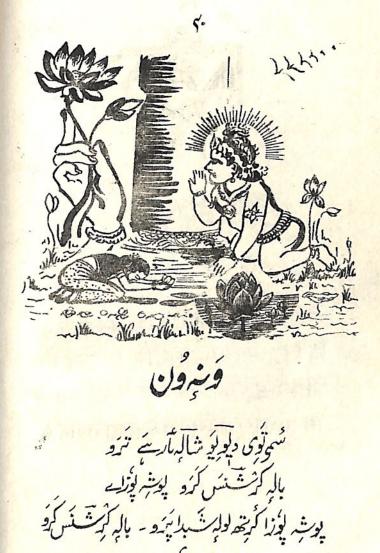
पोशि पूज़ा

(वनुवुन)

(बालुकृष्णस करव पोशि पूज़ा)

—०—

संन्यतंवी दीविय्द शालुमार हयतरव
बालुकृष्णस करव
पोशि पूज़ा

पोशि पूज़ा कंरिथ लोलु शब्दाह परव
बालुकृष्णस करव
पोशि पूज़ा

—·—

(नोंट:— .1, ज़नानु — (2)— आवाज़, लफ़्ज़)

گُوکلس ساری ہے زِتینہٖ زوٗلہٖ کرٕو

جایہٖ جایہٖ ہیٚے کرٕو

ژُندرہَس سال

یِرِ ہیمہٖ شہ بانسری لولہٖ تھالن بَرٕو

بالہٖ کرُشنس کرٕو

پوشہٖ پوٗزا ے

مالہٖ لوگ گُلشنس یِچھ یٔہن مازرٕو

سارِنے دِل تہٖ شُل

ازچُھ خوشحال

گبوہٖنِ لِج آیہٖ جوٗے۔ نٔژہٖنِ لگی یم سَرٕو

بالہٖ کرُشنس کرٕو

پوشہٖ پوٗزا ے

गूकसस सांर्यसुय ज़न्त, ज़ूलाह् करव
जायि जायि हय करव
च़ेन्दरमस साल
प्रेयमु स्तेह् बान्संरी लोलु थालन बरव
बालुकृष्णस करव
पोशि पूज़ा

—o—

मेलु लोंग गुलशनस[1] पथ ब्युहुन मा[2] ज़रव
सारिनुय दिल तु शिल
अज़ छि खोशहाल
गयवनि लंज आवु जोय, नच़नि लंग्य यिम सरव
बालुकृष्णस करव
पोशि पूज़ा

—.—

नोटः— १. गुलज़ारस, २. शेशव मा, बरदाश मा करव

اُلفتھ مۆرتھا یتھ شہرس گرٚو
لولہ والین دِپو
یتھ برٚو مایے
مایہ ہوٚنت اَکھ قدم تُل ژٕ - وچھ مامرٚو
بالہ کرٚہ شُنس کرٚو
پوشہ پۆژا یے

حُسنہ آکاشہ کنیٖ لعل و گوہر جرٚو
تارہ کن فاضلا!
شولہ پژاگاش
گوپین گوٚژھ وُنی پانہٕ اتہ تراو رٚو
بالہ کرٚہ شُنس کرٚو
پوشہ پۆژا یے

उल्फतुच मूरथा यथ शौरीरस गरव
हृदयि वाल्यन दपव
यथ बंरिव माय
मायि हौंत अख कदम तुल चुबुकुमा मख
बालुकृष्णस करव
पोशि पूज़ा

———o———

हुसनु आकाशि किन्य लाॅलु गौहॅर जरव
तारुकन 'फ़ाॅज़िला'
शोलि प्रागाश
गूपियन गोंकु वनुन पानु अज़ त्रावि रव
बालुकृष्णस करव
पोशि पूज़ा

———

नोट:- (1-2 = लाल तु जवाॅहिर)

تھٔنہ ژور

تھنۍ ژورِتھس گورِ کھیتھ کرشنہ گوپالا

تس گھرِ نہ ڈیکس دِزہ تہ دِلس گونہ ملالا

ماتا یہ ژرِتے موصوبہ ووٚنے لفظ "ماکھن چور"

اچھ پتھنہ لگی بالکا! چھکھ حسن کمالا

کرشن جی مہاراج بیلہ باشہ کران اوس سہ اوس پیٚتھ وزِ تھنی کھیوان۔ یوٚدوے پیٚتہ ہیٚنہ تہ پیٚھس تھنی نہ کھیٚنی تتھ منز تہ اوسنہ وایہ کران۔ اُتھی سبتی اوس یانہ تہ تھنی ہیو اوٚ مو کنہ تھیس ناٹھ نیار مو کنہ تھنہ ژوریا "ماکھن چور" ونان۔ دفاضلؒ

थनि चूर

थंन्य चूरि येमिस गोरि खेयथ
कृष्णु गुपाला
तस खंच़ नु डथकस क्रुहतु दिलस
गव नु मलाला
माताियि च़े मोसूमु वोनुय
लफ़ज़ि मखन चूर
अंछ युथनु लगी बालका कुख
हुसनि कमाला

—·—

नोट :— (१)- गोरि= गूर्यबायि ,(२) क्रुह=शिकन, गेन्य
(३)- हुसनि कमाल = Beauty Incarnate.

گُلالا !

گُلالا ! ذرا ایل ! گُپالنِۍ درٕ ے چھے
جنہٕ چھل جگرٕ چھل ! گُپالنِۍ درٕ ے چھے

ژٕ ے چھے داغ سینس۔ مےٚ دُکھ ہیوٚہ دِلس چھُم
یہ مُشکِل ژٕ کرٕ حل ! گُپالنِۍ درٕ ے چھے

وۄزِج نارٕ بتہٕ ہِش ژٕ لاگِتھ قبا چھُکھ
شہِج زاد راہ وَل ! گُپالنِۍ درٕ ے چھے

ژٕ بیہہ مسولَن منز۔ ژٕ پادا سمُت کر !
گنِہ الفتح کَل ! گُپالنِۍ درٕ ے چھے

گُپالا ! ہمَن سینہٕ دُدی آخ زوٗدِکھ
تلکھ مَل ! تُلاکھ مَل ! گُپالنِۍ درٕ ے چھے

—·—

بالک وستہا

गुलाला !

गुलाला ! ज़रा बल, गुपालुन्य द्रुय छ्य
जिगर छल, जिगर छल गुपालुन्य द्रुय छ्य

चे छुय दाग सीनस, मे दुख छुव दिलस छुम
यि मुश्किल चु कर हल, गुपालुन्य द्रुय छ्य

सोज़ुज नार ब्रोह हिश चु लांगिथ कबा छुख
शिहिज चादुराह वल, गुपालुन्य द्रुय छ्य

चु बोह मसवलन मंज़, चु पांदा समुत कर
मनी उल्फतुच कल, गुपालुन्य द्रुय छ्य

गुपाला ! यिमन सीनु दोंद आख खदिख
तुलुख मल, तुलुख मल, गुपालुन्य द्रुय छ्य

ہے اَنۍ چھہ گژھان

ہے! اَنۍ چھہ گژھان شولہٕ وہان۔ نارہٕ ہسہٕ نارہٕ
زۄہہ ژھینہٕ وٕنِن کرشنہٕ ژرۍ کن
لارہٕ ہسہٕ لارہٕ!

--.--

لاہوتہٕ پیٹھٕ ژٕلہ چھہ کران گنزرہٕ کنگس ہلورہٕ
آکاشہٕ پیٹھٕ گُٹہٕ سہریہ ژرۍ نژش
جارہٕ ہسہٕ جارہٕ

--.--

دِل پانہٕ بٕرہ مان۔ کیٚاہ چھہ دُئی۔ کتھہٕ چھہ ونان ہیر
ہم چانہٕ ہنج پُکی تہٕ سپدی
یارہٕ ہسہٕ یارہٕ

--.--

نوٹ:۔ لاہوت = تصوفُک اکھ تھود مقام یتھ چھہ دۄیہ شہ رگہ کھونہٕ ۔۔۔ ہُمہ در ہِیہ بوزِم گژھان

नय छे गछान

हे नय छे, गछान, शौलु वुहान, नार हसा नार!
रेह च़ेनुवुन्यन कृष्णु चेकुन
लार हसा लार!

लाहूतु प्यठ्न ज़ुच़ छे करान कुनिर्, कंगसु तूर
आकाशि प्यठुक सिरियि चेनिश
जार हसा जार!

दिल पानु ब्रमान, क्या छे दुई, कथछि वनान बेर
यिम चानि नेह्ज पंक्य तु सपुद्य
यार हसा यार!

नोट:—
1. लाहूत = तसवुफक थोंद मकाम, 2. कोहि तूर

گوپالہ پڑکھ آیہ پلس آب کرکھ آب !
اکھ ژرہ تہ دوہ وس ہُو کھر لگان
دار ہشہ دار

ہیم چانہ کلے پھٹو تہ چیٹیاکھ وتھ تہ سپدو وتھ
تم قلزمن تری تارہ ہوشکھ
تار ہشہ تار

دھن ہارہ نولاہ : کینہ ہکر من چھ گنجلہ نیاس
یس ہار ثرے پتھ تس تہ گنج
ہار ہشہ ہار

ہار تھ تہ زلوئم کرشنہ لوبم من مے سرفراز
اتھ پتریمہ پلنجے پلیٹھ مے گندم
زار ہشہ زار

نوٹ : ا۔ سرفراز = پرسن۔ خوشحال ۔ ۲ ۔ نیاس = واتسہ Entrance

मूपालु यछ़ख आरु पलस आब करख आब
अख च़ुह तु दोदस होंखरि लगान
दार हस्यो दार !

यिम चानि कले फट्यथ तु चेयख व्यथ तु सपद़्यथ
तिम कुलज़ुमन तर्य तारु मोशुख
तार हस्यो तार !

धन हारु नोला, केंह नु मगर मन छु गंजुक न्यास
चुस हारि च़े पथ तस नु कुनिच
हार हस्यो हार !

होंरिथ ति ज़्यूनुम कृष्ण लोंबुम मन मे सरफराज़
अथ प्रेयमु पोंजे प्यठ मे ग्युंदुम
ज़ार हस्यो ज़ार !

नोट :– ‹१› सरफ़राज़ = प्रसन्न, खोश)

لچھہ وانشہ گژھتھ کرشنہ ژٕ بائکھ تہٕ ہہکھہ دِل
اَتھ زَنمہ پھیرِس ژُہیہ چھِہ لگان
پیارٕ ہسہ پیارٕ

کُملاوُ ہناہ وُٹھہ تہٕ گِہے سپھر تہٕ میٔنے کَن نٔین[1]
یوٚدوٚ تیرٕ نَظر دِکھہ تہٕ دَپے
مارٕ ہسہ مارٕ

کرشنا! میٔنے دِلِکھ سوزٕ نَتہ کَیٔے میٔنے دِلَس زُدی
چھِس دوٚن شاہَن ہینچھ پَنِچھ وَنک ہوٚکھ
دارٕ ہسہ دارٕ

موٗرلی چھِہ ندا ہاتفِیٔ[2] کَیٔے شرٕ چھُہ اَمیک زُدو
رُخ بالہٕ کرشن فاضلِنیٔ ہِیم
شارٕ ہسہ شارٕ

نوٹ:۔ ۱۔ نٔین = اَچھہ چشمہٕ ۲۔ ہاتف = غیبی آلوٚد دوٚن سرٕشر۔

लछ वांसु आंछिथ कृष्णु च्रु मा यिख तु मुहकमन
अथ ज़न्मु फिरिस च्युह छु लगान
प्यार हसा प्यार !

कुमलाव हना वुठ तु गहे फिर तु मे कुन नैन[1]
योंद तीरि नज़र दिख तु दपय
मार हसा मार !

कृष्णा! मे द्युतथम सोज़ नतय, नय म दिलस जेथ
छस दोन शहन प्यठ पथ वनुक
होंख दार हसा दार !

मौस्ली छु निदा हातफ़न्य लय शह छु अम्युक
रह वालु कृष्ण, फ़ांज़िलन्य यिम जुव
शार हसा शार !

नोटः— (1)- नैन = अंछ (2) हातफ़ = गाब मंज़ आ-
-लव दिनवोल

نَے

کُس تام وَایان! الُکھ چھ وَپان سَنَے چھ وَزان نَے
گوپالہ ترٛےٚ یم وِیدٕ چھ وَپان
سَے چھ بہانَے

تصویرٕ آتش خانہٕ اَچھارٕس چھ دِوان ڈول
مَنٛز نارٕ بَرٛہن طورٕ سنگہ
تۄتہٕ وَزان نَے

نَے نغمہٕ شیرینیٚ مَن چھ بَرٛمان - زٕوٗ چھ زۄوان کَل
یِتھ نغمہٕ تَران معرفتُک -
سِرٛیہ چھ تَران نَے

نوٹ:-
۱- آتش خانہٕ = نارٕ کھوڈ ۲- طورٕ سنگر = حضرتِ موسیٰ عٓ سند کوہِ طور

कुसताम वायान! लुख छि वनान नय छे वज़ान नय
गूपाल् रे यिम वैंथ छि दपान
नय छे वहानय.

तसवीर आतशैंखान्, मजाजस कु दिवान डोल
मंज़ नार् ब्रेहन तूरें संगर
तोति वज़ान नय

नय न गा़मु शीरीं; मन कु अ़मान ज़ुव कु ज़ुवानकल
यथ नगा़मु पॅरिथ मा़यफतुक
ब्रेह छे वरान नय

———

नोट :— (१. नार् खोड ,२. मूसासुंद कोहि तूर)

تیتھ گیان حاصل سپد ، تھوکھ زانی اندر مَن
سوے زان ناوتھ اوم تہ کُنے
ھُو چھ پران لے

ژِن سوز وَنس زوٗنگ چھ لگان ـ لام لگن لام
مَن وہِنہ لگان تا وہتین
شولہ ژھٹان لے

وُن سوز گُرھتھ روزہ نہشہ ـ ژور پہتھ لوب
تھپہ پانہ تھلان والہ ثوٗرے
آسہ گُران نے

فاضل! شریک سانہ کُنے سوز مگر ہیوٗن
گوپالہ! یوٗہے لولہ ہتین
منز چھ ننران لے

نوٹ: ۱۔ گیان = زان علم معرفت ۲۔ ھو = ایشور واہگورو ۔ اللّٰہ ۔

त्युथ ग्यान हांसिल सपुदि थवख ज़ांन्य अंदरम्न
वौंय ज़ान हांविथ ओह्मय तु कुनुय
'हू' के प्रारान नय

ज़न सोज़ुवनस ज़ौंग कु लगान, लाम लुकन्लाम
— मन वुहनि लगान तावु हत्यन
शील वुहान नय

वन सूर गंक़िथ रीज़ि हुंदा चूरिबिहिथ लौंब
तंथ्य पानु थलान वालि तवय
आसि ग्रज़ान नय

'फ़ाज़िल'! शरीरुक साज़ कुनुय सोज़ सगर ब्योंन
गूपाल! योहय लोलु हत्यन
मंज़ के सज़ान नय

—·—

नोटः—
ग्यान = जानकारी, अकुल }
हू = ईश्वर, अल्लाह।

میُشرِ ونے

میُشرِ ونے[۱] پرانہٕ وقتچ باثرِ زان
بہانہٕ گوژھہٕ چھُن نے کُس چھُہ وایان
خُریک سوز لافانی شہُس تام[۲]
شُہُک ماآلک کرشن اوتار انسان

نوٹ: ۱۔ میُشرِ ونے = جسمِ خاکی ۲۔ شہُس تام = آتمس تام یُس شہ کھالان تہٕ والان چھُ

मैचिव नय

मैचिव नय प्रानि बक्तुच बांसरीज़ान
वहानय, गोंढ़ वुछुन, नय कुस छु वायान
शरीरुक सोज़ लाफांनी शाहस ताम
शुहुक मालिख कृष्ण अवतार इन्सान॥

नोट :— (1) नय = मोरली
(2) लाफांनी = अमर

کرِشنہٕ مورلی پیکرِ سوزٕ و گُدازٕ ۔ دِلرُبا ۔ دِل کُش ۔ موٚدر تہٕ دِلنوازٕ
یَے اَمِیچ عرفاں تہٕ شِہہ قُدسی صفات ۔ پانٕ مُرلی دَر چھُ سرتاپا مجازٕ

मौरली दर

कृष्ण मौरली पैकरे सोज़ो गुदाज़,
दिलरुबा, दिलकश मौदुर तय दिलनवाज़।
तय अमिच इरफान तु शाह कुदसी सिफात
पानु मौरलीदर छु सर ता पा मजाज़॥

नोट :—

(1). पैकर = काबिल, जिस्म - मुजस्सम।
(2). कुदसी सिफात = रूहानी गोण थवनवोल।
(3). मौरलीदर = मौरली वोल, कृष्ण जी।

یئلہ یئلہ

یامتھ یہِ آدَم دَھرمہٕ دینُک پرٛاٹہٕ یہِ سَمسار
گیتا چھُ شاہد: کرٛشنہ گوپال سپدِ نمُودار
تَس سپدِ بے دینَن۔ اَدھرمَن تہٕ یچھَن ستیہ جنگ
میُٚش۔ خاک سپدَن چھیکرَس بے دین تہٕ خطاکار

यदा यदाहि

यामत यि आदम धर्मु दीनुक प्राटि यि समसार
गीता छे शांहिद, कृषणु गूपाल सपदि नमूदार
तस सपदि बे दीनन, अधर्मन तय यछन सूत्य जंग
मेच़, खाक सपदन छेकरस बेदीन त, खता कार

بالک اوستھا

کرشنا! کرشنا!

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत ।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम ॥

یدا یدا ہِ دھرمسیہ گلانرِ بھوتِ بھارت
ابھیُتھانم ادھرمسیہ تدات مانم سرِجامیہ ہم

(شریمد بھگوت گیتا)

ترجمہ :۔ ہے ارجن! جب جب دھرم (دین) زوال پذیر ہونے لگتا ہے اور ادھرم (بے دینی) زور پکڑتی ہے، تو میں اپنے آپ کو ظاہر کرتا ہوں۔

کرشن مرلی

کرشن بانسری ہێتھ - بہ ستھ سیٹھہ زن اتھ
بہ مستی تہ فرہێتھ - چھ زن لوزونی چێتھ
بہ سنگیت چێتھ آمے
کرشنا

وونی واے - وونی واے
بہ مورلی
ہودرامے ! کرشنا!
بہ مورلی
ژ وونی واے - ووہنی واے
ژ زگتس بہ نے واے
کرشنا! کرشنا!

कृष्ण बान्सरी ह्यथ

कृष्ण बांन्संरी ह्यथ
बंरिथ संहर् ज़न अथ
यि मंस्ती तु फ़रह्यथ
छि ज़न बोज़ुवुन्य चथ
यि संगीत चथ आय
कृष्णा !
वोन्य वाय- वोन्य वाय
यि मोरली
मोंदुर माय कृष्णा
यि मोरली
च़ु वोन्य वाय - च़ु वोन्य वाय
च़ु ज़गतस यि नय वाय
कृष्णा कृष्णा

وزان زن ژندن دار

یہ یے زن منش نار ۔ وزان زن ژندن دار
کران رح چھہ ہیدار ۔ یہ یس لوگ تسہ ہشیار
تمس کینہہ نہ پرواے
کرشنا!
ووہ نی واے! ووہ نی واے!
یہ موررلی
گرشم کراے کرشنا!
یہ موررلی
ژووہ نی واے! ووہ نی واے!
منش کینہہ نہ پرواے
کرشنا! کرشنا!

—.—

نوٹ :۔ ۱ دار = وان ۲۔ رح = آتما ۳۔ گرشم = گرمی ۔
کرشن ہیلہ نے اوس ویان سارے ذوہ ذاتہ (جاندار) آسہ تس کن والہانہ لاران تہ پانہ ام لوزان ۔

—.—

मनस नार हुशियार

यि लय ज़न मनस नार
दज़ान ज़न चंदन दार
करान दिल छे बेदार
यि यस तोंग सु हुशियार
तमिस कैंह नु परवाय
कृष्णा!
वौन्य वाय- वौन्य वाय
यि मौरली
ग्रिश्म क्राय कृष्णा
यि मौरली
चु वौन्य वाय; वौन्य वाय
मनस कैंह नु परवाय
कृष्णा कृष्णा

—·—

नोट :- (1) दार = वन, (2) रुह = आत्म (3) ग्रेश्म = गर्मी

ژ کرہیس

لےٚ لوزنگ ہیس ۔ دِوان الیشور یس
شُہ یوگس اَندر مَس[۲] ۔ کران شَشجہاتس
تمِس نش ژزر دَراے
کرٛشنا!

وونی واے! وونی واے
یہ مورلی
چھ بُڈ شاے[۳] کرٛشنا!
یہ مورلی
ژ وونی واے! وونی واے
ہلیس وَتھ چھ سیٖنز ترٛاے[۴]
کرٛشنا! کرٛشنا!

—۔—

نوٹ :۔ ۱۔ لےٚ = نیہ یِنز آواز ، ترنّم ۲۔ مَس = مَست = مگن ۔
۳۔ شاے = وومید ۴۔ ترٛاے = نیٚج ۔میلان ۔

च़ु कर ह्यस

यि लय बोज़्नुक ह्यस
दिवान ईशवर यस
सु यूगस अन्दर मस
करान शशाजह्यतस

तमिस निश र्छ़र द्राय
कृष्णा!
वोन्य वाय- वोन्य वाय
यि मौरली
छे बंड शाय कृष्णा
यि मौरली
च़ वोन्य वाय- वोन्य वाय
ह्यसुच वथ छे सेज़ त्राय
कृष्णा- कृष्णा

नोट :— (1) लय = नयिहुंज़आवाज़ (2) मस = मगन
(3) शाय = वोमेद (4) त्राय = नंहंज।

یہ رِے پھیر گوشَن

یہ رِے پھیر گوشَن[1] - تہٕ ژلِج لام پوشَن
چھہ بُلبُل تہٕ توشَن - حقیقت چھہ روشَن
یہ موٗرلی چھہ بے ژھاے
کرشنا!
وونی واے - وونی واے
یہ موٗرلی
چھہ یکتاے[2] کرشنا!
یہ موٗرلی
ژہٕ وونی واے، وونی واے
یہ بے رنگ[3] بے ژھاے
کرشنا! کرشنا!

نوٹ :- ۱- گوشن = طرفاتن یتھجہاتس - دہٕ جہاتس - ۲- یکتاے = سمُت کرن واجینی - ۳- بے رنگ = Colourless - بے امتیاز -

यि लय फीर गोशन

यि लय फीर गोशन
तु लंज लाम पोशन
कि बुलबुल ति तोशन
हकीकत छु रोशन
यि मौरली छु बे क़ाय
कृष्णा !
वौन्य वाय, वौन्य वाय
यि मौरली
छु यकताय कृष्णा
यि मौरली
चु वौन्य वाय- वौन्य वाय
यि बे रंग बे क़ाय
कृष्णा कृष्णा !

—·—

नोट :- (١) गोशन = तरफातन (٢) यकताय = समुत करन वाजन्य, (٣) -बेरंग = Colourless बे इमतियाज़

دھرم کرمے تہٕ انسان

دُھرم، کرمےٕ تہٕ انسان ۔ سبھٹھاہ پرتی سبھٹھا جان
یہ ساری چھ مانان ۔ چھ منزل سہ بھگوان
چھ گیتا تہٕ ہمرا ے
کرشنا!
ووہنی واے، ووہنی واے
یہ ہورلی
ترےٚ پوز آے کرشنا!
یہ ہورلی
تُہ ووہنی واے، ووہنی واے
سمے سور ہمرا ے
کرشنا! کرشنا!

نوٹ :- ۱۔ دھرم = دین ۲۔ کرمے = کرتوت، عمل۔ ۳۔ آے = زیٹھ عمر۔ ۴۔ سمے = زمانہ، وقت، دَق، وخ ۵۔ سور = سورُے۔ تمام۔

धर्म-क्रय तु इन्सान

धर्म, क्रय तु इन्सान
स्यठा रुत्य, स्यठा जान
यि सोरी छि मानान
छु मंज़िल सु भगवान
छे गीता ति हमराय
कृष्णा !
वोन्य वाय-वोन्य वाय
यि मोरली
न्रै पोंज़ आय कृष्णा
यि मोरली
न्रु वोन्य वाय वोन्य वाय
समय सोर हमराय
कृष्णा कृष्णा

नोट :— १. धर्म = दीन २. क्रय = करतूत,
३. आय = ज़ीठ उमुर, ४ - समय = वक़

ژٕ چھکھ تھٕنو!

ژٕ چھکھ تھٕنی ژٕ چھکھ تھٕنی ۔ ژٕ چھکھ مانچھ ہیوٚ تھٕنی
یہ تھٕنی سوٚرگٕکی اَزٕ ۔ نَقش اتھ چھہ بنیٚ بنیٚ
چھُہ کیوپڈٕ تہٕ سِرسالے
کرشنا!
ووہ نی والے، ووہ نی والے
یہ موٚرلی
چھہ سِسرالے کرشنا!
یہ موٚرلی
ژٕ ووہ نی والے، ووہ نی والے
حُسنٕ پَن تہٕ دُبرالے
کرشنا کرشنا!

نوٹ :۔ ۱۔ سوٚرگ = جنت ۲۔ کیوپڈ (Cupid) God of Beauty
۳۔ سِرسالے = ناچیز (Insignificant) ۴۔ سِسرالے = sensation

च़ हुक थंन्य

च़ हुख मांछ ह्युव थंन्य
यि थंन्य सोरग कंन्य अंन्य
नकुश अथ छि बंन्य बंन्य
हुसुन चोन खंन्य खंन्य
छु क्यूपिड तु सिरसाय

कृष्णा!

वोंन्य वाय-वोंन्य वाय
यि मोरली
छे सुसराय कृष्णा
यि मोरली
च़ वोंन्य वाय वोंन्य वाय
हंसीनन च़ दुबराय
कृष्णा कृष्णा।

नोट :- ‹1› स्वर्ग = जनत, ‹2› cupid = काम देव
‹3›- सिरसाय = ना चीज़ ‹4› सुसराय = Sensation

پَشَن ہُنٛز حِفاظت

حِفاظت پَشَن ہُنٛز ـ چھِ وَتھ ہورسَلن ہُنٛز
گِہے موٗسہَن ہُنٛز ـ گِہے عیسٰہَن ہُنٛز
گُپالا اُڈرِ تھزجایے
کرہشنا!
ووہ ژوایے ، ووہ ژوایے
یہ ہو رلی
دِلچ جایے کرہشنا!
یہ ہو رلِ
تہٕ ووہ ژوایے ، ووہ ژوایے
تُرِے نِش یم سُمتھ آے
کرہشنا کرہشنا!

نوٹ:- ۱- پۆش = جوان ، چاروَوی ۲- ہرسَل = ہورسَلس چھ پیغمبر بنِد کھوتہ تھوٗد درجہ آسان۔ حضرتِ موسیٰؑ ، حضرتِ ابراہیمؑ ، حضرتِ عیسیٰؑ بیر چھِ ہورسَل۔

पशन हुंज़ ह्यफ़ाज़त

ह्यफ़ाज़त पशन हुंज़
छे कथ मोरसलन हुंज़
गहे मूसहन हुंज़
गहे ईसहन हुंज़
गुपाला च़े थंज़ जाय
कृष्णा !
वोन्य वाय-वोन्य वाय
यि मोरली
दिलुच जाय कृष्णा
यि मोरली
चु वोन्य वाय-वोन्य वाय
च़े निशा संमिथ यिम आय
कृष्णा-कृष्णा ।

नोट :- (१) पोंश = हयवान (२) मोरसल = दरजस मंज़ पांगमबरस संखिथ ।

کُنی ہٮٚندی مُسلمان

ہٕئے لۓ چھ یکسان ۔ کُنی ہٮٚندی مُسلمان

چھُ رحمان: بھگوان ۔ چھُ بھگوان: رحمان

دُئی ہٕنز یتھ کتھہ رٕلے

کرٛشنا

ووہ نٕی واے، ووہ نٕی واے

پہ موٗرلی

چھ بے نیاے کرٛشنا!

پہ موٗرلی

ژٕ ووہ نٕی واے، ووہ نٕی واے

چھُ یکسان بے نیاے

کرٛشنا، کرٛشنا!

कै यकसान यकसान

नये लय कैयकसान
कुनी हैन्द्य मुसलमान
छु रहमान भगवान
छु भगवान रहमान
दुई हुंज़ न, कांह राय
कृष्णा!
वौन्य वाय वौन्य वाय
यि मौरली
कै बे न्याय
यि मौरली
त, वौन्य वाय वौन्य वाय
छु यकसान बेन्याय
कृष्णा कृष्णा

नोट :- (१) दुई = वैर (२) बेन्याय = न्यायि वरांय

—:—

ژٕرے پیارٕ اں بٔرستٕل

ژٕرے پیاراں بٔرستٕل ! - چھ ہیتھ ہورٕ سٕنٛز چھٕل
حٔسیں : نوٗرٕ ہنقٕل - یہ رادھا : یہ وزٕہل
کران چھےٚ ژٕیٚے پوٗزٕ اے
کرٕشنا !
وہ ژیٚ واے ، وہ ژیٚ واے
یہ ہو ٕرٕلی
چھ پٕژھی باے کرٕشنا !
یہ ہو ٕرٕلی
ژٕ وہ ژیٚ واے وہ ژیٚ واے
دِلس مالگِس گرٕاے
کرٕشنا کرٕشنا !

نوٹ :- ۱ - رادھا = کرٕشن مہاراجہ سٕنٛز آشٕنی - ۲ - ہورٕ سٕنٛز چھٕل = ہور چھٕل
۳ - گرٕاے لگنہٕ = اوزٕردٕ گژھن - ملالہٕ گژھن - ملالہٕ محسوس کرٕن -

बरस तल बरस तल
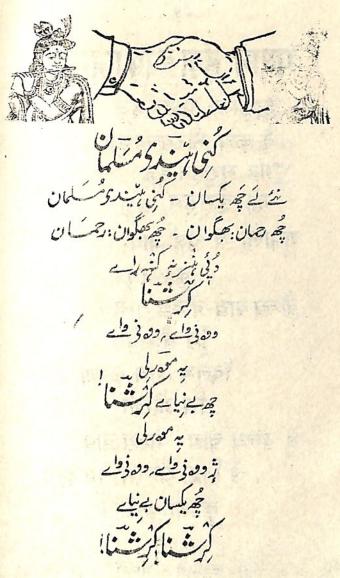
चै प्रारान बरस तल
छे ह्यथ मोर् संज़ छल
हसीन नूर् मन्कल
यि राधा यि वुज़मल
करान छय चै पूज़ाय
कृष्णा !
वोन्य वाय वोन्य वाय
यि मोरली
छे पंछ्यवाय कृष्णा
यि मोरली
चु वोन्य वाय वोन्य वाय
दिलस मा लग्यस ग्राय
कृष्णा कृष्णा

नोट :- (१) राधा = कृष्ण जियिन्य दासी
(२) ग्राय लगन्य = ओज़ुर्दु गछुन ।

ژٕہ چھکھ ویرہ[1] ارجن۔ یُگس[2] منز ژٕہ چھکھ گُن[3]

پہ اُپدیش[4] باٹُن اہنکارہ[5] اوگُن[6]

نہ اتھ سر نہ اتھ پائے

کرشنا!

ووزی وائے، ووزی وائے

پہ موزلی

پہ رُت وائے کرشنا!

پہ موزلی

ژٕہ ووزی وائے ووزی وائے

دِلن اُرٹ پھے ٹرائے

کرشنا کرشنا!

نوٹ:- ۱- ویرہ = بہادر ۲- یُگ = جُگ زمانہ ۳- گُن = بے مثال۔

۴- اُپدیش = نصیحت ۵- اہنکارہ = غرور ۶- اوگُن = بچھ صفت۔

च़ु छुख वीर

च़ु छुख वीर अर्जुन
यौगस मंज़ च़ु छुख कुन
यि वौपदेश मानुन
अहंकार अवगौन
न अथ सर न अथ पाय
कृष्णा!
वौन्य वाय वौन्य वाय
यि मौरली
यि पौंज़ दाय कृष्णा
यि मौरली
च़ु वौन्य वाय वौन्य वाय
दिलन रंट यिहुय ज़ाय
कृष्णा कृष्णा

नोट :— (1) वीर = बहादुर (2) युग = ज़मानु (3) कुन = बे मिसाल (4) उपदेश = नसीहत (5) अवगुण = बद सिफत।

کرشن جی ژرے چھے جے

کرشن جی ژرے چھے جے ۔ گُنۂ شُہ گُنۂ پیے
گُنِن نے ، کِنِ لِے ۔ ییتھی وہ یژھان دیے
پیہے گون ژرے لش ؤرائے
کرشنا!
ووزی وائے ، ووزی وائے

یہ ہو رلی
ژرے لش زرے کرشنا!
یہ ہورلی
ژووزی وائے ، ووزی وائے
ژرے جے جے ژرے لوگ آیے
کرشنا کرشنا،

نوٹ :۔ ایشہ = ٹیون ۔ ۲۔ جَے = فتح ۳۔ گون = صفت ۔

— — —

अमरजय

कृष्ण जी च़े कुय जय
कुनय शाह कुनुय पय
कुनी नय, कुनी लय
यिथी विह्य यछान दय
यिमय गोन च़े निश द्राय

कृष्णा!
वोन्य वाय वोन्य वाय
यि मोरली
च़े निश ज़ाय कृष्णा
यि मोरली
च़ु वोन्य वाय वोन्य वाय
जय जय च़े लोग आय
कृष्णा कृष्णा

—·—

موٗرلی

گُلَن ہُند ترنُّم ۔ تھَرِن ہُند تکلُّمؑ

چھ موٗرلی موٗدر میوٗٹھ اظہار

دَرِن شبنمک جلترنگ تارٕ کَن ہُند

سَراپا ؑ یہ موٗرلی چھ سِتار سیتار

دِلچ پوشوٗنی لَے ہنٛز زِندٕ آواز

چھ وۄتلان پۆشیدہ اَسرار اَسرار

شَہَن منز شَرینٛچھ ، قُلزمَچ رازدٲری

ہَنٛز پیٚٹھ ہنٛز ساد گفتار گُفتار

—— ۔ ——

نوٹ :۔ ۱۔ ترنُّم = سوٗرتال ۔ ۲۔ سراپا = ہیر بۄن
۳۔ اسرار = سِرک صیغہٕ جمع ۴۔ تکلُّم = کلام ۔ کلامہ
۵۔ اظہار = بیان ، ظاہر کرُن ۶۔ شرینٛچھ = جاذبیت ۔
۷۔ قلزم = سمندر ، سوٗدر ۔

—— ۔ ——

मोरली

गुलन हुंद तर्रनुम, थरयन हुंद तकल्लुम
छ मोरली मोंदुर म्यूठ इज़हार इज़हार

वज़ुन शबनमुक जलतरंग तरकन हुन्द
सरापा यि मोरली छ सेतार सेतार

दिलुच पोशि वन्य लय रुहुच ज़िंदु आवाज़
छि वोतलान पूशीदु असरार असरार

शहन मंज़ श्रोंपिथ कुलज़मुच राज़दारी
नंहंज हर नंहंज सादु गुफ़तार गुफ़तार

नोट :— तर्रनुम = सुर ताल
तकल्लुम = कलाम, सरापा = हैरि बोन
असरार = सिर ; कुलज़ुम = सागर

تھنہٕ ژور

گیو۔ دود تہٕ گرٕس کیاژ ژٕ سے اندیشہ کرتھ چورتھ

بھگوانہٕ! یہند باگہٕ بوٗرت شیٖہجار لکن ووت

زٕ منگتہٕ جگر منگتہٕ ژٕ رُح[2] منگتہٕ دِل و جان

موصومہ لگے کیاژ اسی ژور مکھن[3] کھیونتھ

نوٹ:۔ اندیشہ کرتھ = کھوژٕ کھوژٕ ۔ ۲۔ رُح = آتما ۳۔ مکھن = تھنٕ۔

थनि नूर

ग्यव दोद तु गुरुस, क्याज़ि चे अंदेशि कॊरिथ
भवान्! युहुंद बागि बोस्त शॊहजार चोट [illegible]
ज़ुव मंगतु जिगर मंगतु चु रुह मंगतु दिल बॊत
मासूम! लग[illegible] क्याज़ि असी ज़ूरि म[illegible]न जान
ख्योत

کرشن جی

رادھایہ ونُوشایہ گٹن ژھایہ کرشن جی
درشن چھہ دوان پانہ کیوٚ ترایہ کرشن جی
تھٔنز نقشہ بنتھ گاشہ پھٔس غازہ بٔرمن گو!
لولس تہ دِلس سریہ چھہ سرمایہ کرشن جی
یتھہ جایہ لگن مایہ بوٚرت شریہ تہ سمت غوہ
صُلح چھہ وزان لٔے تہ چھُہ تتھی جایہ کرشن جی
یتھ کرایہ پھمر ناز تژر، تریشہ ہتین لوٚگ
تتھ کرایہ چھہ گنگا تہ تھٔل سایہ کرشن جی
فاضل! چھُہ تمس باگہ تھزر، لانہ سبز نٔس
یس ۂریمہ بوٚرت تیر ننگر لایہ کرشن جی

राधायि वंनिव

राधायि वंनिव शामु गटन छायिकृष्णजी
दर्शुन छु दिवान पानु कम्यू त्रायिकृष्णजी

थंन्य नकाशि बंनिथ, गाशि वुथिस गाज़ुब्रमन- गव
लोलस तु दिलस शिरिथ छु सरमायिकृष्णजी

यथ जायि लुकन मायि गौंडुत ओहु तु स्पसुत-
सुलहुच छे वज़ानंनय तु तथ्य जायि कृष्ण जी खेय

यथ क्रायि फुसर, नारुतचर त्रेशि इत्यनलौंग
तथ क्रायि छे गंगा तु शहुल सायिकृष्ण जी

'फ़ांज़िल' छु तंमिस बागि थज़र लानिख्यज़र तस
यस तीरि नज़र प्रेयमु चौंरुत लायि कृष्ण जी।

नोट :- (1)- त्रायि = नेहजि (2)- गाज़ु = पौडर
(3)- ब्युच् = सरमायि ।

کرشن جی

گُلن ہُند سمُت پھانٛپھلاوان کرشن جی
عجب گُلستانہٕ بناوان کرشن جی

یِمَن آسہٕ ٹیمچ تہٕ پزٕرِچ دِلَس چھِہ
تِمَن امرِتُک پیالہٕ چاوان کرشن جی

کِرستانی۔ پارسی تہٕ ہِندی مُسلمان
نظر کُنہِ یِمَن ہیٚٹھ چھ تراوان کرشن جی

دوٗ دس ریشیکرس منٛز پیشارہ تفاوُت
ہلشر آدنُک چھُے رلاوان کرشن جی

—

कृष्ण जी

गुलन हुंद समुत फांफुलावान कृष्ण जी
अजब गुलिस्ताना बनावान कृष्ण जी

यिमन आसि प्रेयमुच तु पज़ुरुचदिलसकिह
तिमन अमरयतुक्य प्याल चावान कृष्णजी

किरस्तांन्य, पारुस्य तु हेन्द्य सिख मुसलमान
नज़र कुन्य यिमन प्यठ छु नावान कृष्णजी

दोपुन शेकरस मंज़ इशारा तफावथ
हिशर आदनुक छुय रलावान कृष्ण जी

नोट :- ❀ लाफांनी = अमर ❀ सोज़ = जलन

گوُپیٖ ہنٛد نَہر - تفریٖح ژھیٛڈ لاگِتھ
چھُ موٗرلی بجاوِتھ مشاوان کرٛشن جیا

دِلَس منٛز تھَوَرِ چھُس تہٕ موٗرلی اَتھہٕ چھُس
رَلَن پیٖم پنہٕ زِندہٕ - تِم رَلاوان کرٛشن جیا

یہٕ متھرا - یہٕ جمنا - یہٕ گنگا - یہٕ لُدھا
سَمے گو ہکہٕ تو تہٕ گاران کرٛشن جیا

سِیاہ ہردہٕ والیو تمِس نِش شوزرٕ لوٚب
کھوٚڈِس کمیا چھُے بناوان کرٛشن جیا

بران لول گوپی تمِس شوٗژِ شانے
تِمن منٛز چھِہ دوہ دِن گزاران کرٛشن جیا

—•—

दुई हुंद ज़हर- तफरुकुच छ़ेट अलायिश
छु मुरली वजांविथ मिटावान कृष्ण जी

दिलस मंज़ थज़र छु त मुरलीअसर कुस
रलन यिम न ज़ांह तिम रलावानकृष्ण जी

यि मथरा, यि जमना, यि गंगा, यि राधा
समय गव मगर तोति गारान कृष्ण जी

सियाह हृदयि वाल्यव तमिस निशशोज़रतौंव
खोंटिस कीमिया छुय बनावान कृष्ण जी

बरान लोल गूपी तमिस श्रोत्रि शाने
तिमन मंज़ छु दोह द्यन गुज़ारानकृष्णजी

—·—

یمِس آسہ وَس زاُجمژ لولہٕ نارَن
بلاشک تمِس پرہٕ ناوان کرٛشن جی

لُچھس حُب وُچھس منٛز چھُ تَس شولہٕ ناوان
بیابانٕ دَرس چھے بناوان کرٛشن جی

یمو پوٗنپرِ گتھ کرِس سرٕ پانَس
تمَن چھےٗ پنُن جلوٕ ہاوان کرٛشن جی

ہیٚنٛج راستی نظر پوٗز آنہٕ ہاوان
کرٛشن جی سدا ماں سدا کرٛشن جی

تُسند شریعہ پیٚشن۔ وڈوٕنین۔ وحشین تام
ژھبناہ چھا تمِس۔ یم چھ بالان کرٛشن جی

———

यॆमिस आसि वस ज़ांजमुच़ लोलु नारन
बिलाशक तॆमिस परज़ुनावान कृष्ण जी

लछस हुब वछस मंज़ छु तस शोलुनावान
बयाबान ज़रस छुय बनावान कृष्ण जी

यिमव पोम्परुन्य गथ कॆरुम सिरियि पानस
तिमन छुय पनुन जलवु हावान कृष्ण जी

मनुच रास्ती नज़रि पोंज़ आनु हावान
कृष्ण जी सुदामा, सुदामा कृष्ण जी

तसुंद स्नेह पशान वुडवुन्यन वॆहशियन ताम
क़्यनाह छा तिमन यिम छु पालान कृष्ण
जी

خونخوار حسد خونخار، خشمہ ہوت۔ نار ژاپان
چھ زنگنگ زگت ووڈی ژسے بیاران کرشن جی

یمن تاپہ کرالو چھ ہیژ شولہ کرمژ
تمن سیکہ لین پیٹھ چھ باران کرشن جی

یمن کنہہ نہ آسان یمن دل پریشان
تمن بیکسن ہند چھ سامان کرشن جی

چھلتھ ژھن یمو کام۔ کرود۔ موہ۔ اہنکار
پوہتر تمن جان جانان کرشن جی

پژھنی ہیو مجسم چھ حسنک جمالک
چھ فاضل دلس منز بساوان کرشن جی

———

हसद खूंखार, खशम होंत, नार ज़ापान
छु ज़गतुक ज़गत वोन्य ज़े प्रारान कृष्णजी

यिमव ताप क्रायव छे मेच़ शोर् कॅरमुच़
तिमन सॅकिल्यन प्यठ छु बारान कृष्ण जी

यिमन कांह नु आसान, यिमन दिल परेशान
तिमन बेकसन हुंद छु सामान कृष्ण जी

छॅलिथ कुन यिमव काम, क्रूध, मोह अह्ंकार
पवितुर तिमन जानि जानान कृष्ण जी

यि थॅन्य ह्युव मुज्जस्सम छु हुस्नक जमाल
छु 'फांज़िल' दिलस मंज़ बसावान कृष्णजी

—·—

بالک اوستھا

बालक अवस्था

مےٚ چھا اِنکار ماتا! کیاز پُترٕ ھتھم
مےٚ یے گوٗہی گاو ماتا سیتی ہر دَم
دوٗپتھ دوٚد ماسہ چوٗتھم ژٕورٕ ژٕورے
ہتے! لوٗنٕ لوٗرتے ملرے تٕہ لوٗرے
دوٚدکی ژٕدٕہی چیٚنتھ تہٕ رُفنِہ مکل مےٚ اتھکُن
لوٗہے گوٗٹھانہ دوٗتھم بھگوانہٕ سٕند دِین
پنٕز گوسرِ پہ چھا پوٗکشیہ روٗزان!
کرشن پوٗز ونتہٕ زٕ نہہ کانسہ کھوژان؟
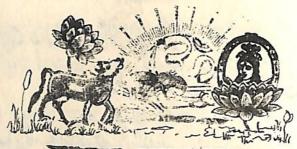
बालक अवस्था

मैं छा इनकार, माता! क्याज़ि प्रुक़ुथम
मे लय गौय गांव मातायिसूत्य हरदम

दोंपुथ दोद मा सां चोयम च़ूरि च़ूरे
हतय पोंज़ बोज़तय मलरे तु टूरे

दोंदुस्य च़ंड्‌थ चथ ति रूज़म कल मे अथ-
योहय गव ठानु वोंथ भगवानु सुंद ह्युन कुन

पज़र गव सिरियिछा पूछीदु रोज़ान
कृष्ण पोंज़ वनतु छा ज़ांह कांसि खोचान

—·—

ہنٛج پئرارٕچ ؤ روزان وآنٕسہ پابۭنٛد
لوکٹ بالک اُمی کوٚرمت عقلمنٛد

یہ دھرتی گاو ماتا پیٹھ چھ توشان
دِوان دوٚد تھنی کرٛشن اَخر بناوان

کھیوان تھنی۔ امرتکی نٔٹ وامہ چاوان
اہس جگ ایشورٕ یدوی چھ دِپاوان

کرٛشن اَکھ بالکا بزرک مجسم
فخر زگتس یوٚہے اَوتار ــ آدم

کرٛشن بتراٹھ پیٹھ صُلحچ علامت
یوٚہے اَکھ پوٗرشوٗنی امیٚنٛج کرامت

نوٹ :- ۱۔ دھرتی = زمین
۲۔ یدوی = ہُد۔ عُہدٕ یا اوٚہد۔

नेहंज पज़रुच न रोज़ान वांसि पावंद
लोकुट बालुक अम कोरमुत अकुलमंद

यि धरती गांव माता प्यठ के तोशान
दिवान दोद, थंन्य, कृष्णा ओंखुर बनान

रुयवान थंन्य, अमरुथतुक्य नंद्यदाम-
अमिस जग ईश्वर पदवी क्यु दुथावान ॥ चावान

कृष्ण अख बालुका पज़रुक मुज्जस्सम
फ़खुर ज़गतस योहय अवतार आदम

कृष्ण बुतरांच़ प्यठ सुलहुच करामत
योहय अख पोशिवुन्य अमनुच अलामत

नोट :— 1. धरती = ज़मीन, बुतराथ
२. पदवी = हुदु , ओहद

—•—

کرشن گو ییس چھ ہو رلی منز سہ الہام[۱]
ییمیک اکھ اکھ صدا نوکن چھ پیغام

کرشن گو ظلمہ ایوانن سو گلزار
ییمیک دسی لایہ اینزس تالہ تہ کرار

کرشن پرکیف آلو سوزہ ساز رک
کرشن سرچشمہ[۲] اکھ نازک نیاز رک

کرشن گو مقصدک نزدیک منزل
امیس نش سارنے حاصل گژھن دل

کرشن گو دون سمت گژھنک سمندر
اوتہ واتتھ بنان پرتھ قطرہ ساگر[۳]

نوٹ :- ۱۔ الہام = سو کتھ یوس دیہ سند طرفہ ولس دیماغس منز واتہ۔
۲۔ سرچشمہ = آگر ۳۔ ساگر = سمندر۔

कृष्ण गव यस छु मौरती मंज़ सु इलहाम
येम्युक अख अख सदा लूकन छु पांगाम

कृष्ण गव ज़ुलमु अयवानन सौ गगुराय
येम्युक दंसलाबु अपज़िस तालि तंरुक्राय

कृष्ण पुरकाफ़ आलव सोज़ु साज़ुक
कृष्ण सरचशमु अख नाज़ो नियाज़ुक

कृष्ण गव मकसदुक नज़दीक मंज़िल
ऑमिस निश सारिनुय हांसिल कुनुयदिल

कृष्ण गव दोन समुत गछुनुक समन्दर
यौतथ वांतिथ बनान हर कतुरु सागर

नोटः—(१) इलहाम = सौ कथ यौस दयि सन्दि तरफु दिलस मंज़ वाति
(२) सरचशमु = आगुर।

—·—

کرِشن گو نبضِ ہستی جانِ عالم
تمِس بیٚو سُند الم باسان پُٹن غم

کرِشن گو یکدِلی ہند اکھ سُہ آگُر
وِزان ییٚتھ نِش چھُ ندِ ہوت نال تِ سر

کرِشن گیتا ہند گیہ تِ ہیٚنج آش
گٹن تارِ پکین منٛز سر ییٚر، پیٚر اگاش

کرِشن گو اکھ پوٚشِر روٗپ پیٚرِیُمک
تصوُّر: دِلرُبا سوٚندرِ شریُرک

کرِشن گو زلزلہ کرٛوٗدس[1] تہٕ کامس[2]
سُہ خالص سوٗن کران کم مایہ ترٛامس

نوٹ :- ۱۔ کرٛوٗد = ڈکھ، غوصہ، شرارت، استعمال۔
۲۔ کام = شہوت، خاہش (SEX) سیکس۔

कृष्ण गव नवज़ि हंसती   जानि आलम
तमिस वोयसुंद अलम[1] बासान पनुन ग़म

कृष्ण गव यकदिली हुंद अख सु आगुर
वुज़ान यथ निश छु मदुमोत ताल्तय सुर

कृष्ण गीतायि हुंद गाह तय मनुच आश
गटन तारीकियन मंज़ सिरियि प्रगाश

कृष्ण गव अख पवितुर रूप प्रेयमुक
तस्सवुर दिलरुबा सोंदर शरीरुक

कृष्णं गव ज़लज़ला क्रूध[3] स तु काम[2] स
सु खांलिस सीन करान कम मायि त्रामस

नोट :— (१) अलम = ग़म (२) काम = शहवांनी, खांहिश
(३) - क्रूध = ज़रव, शरारत

— · —

کرشن ہِردِچ[1] چھ پزٕ آئینہٕ دارِی

اہنکارس[2] بناوان اِنکسارِی

کرشن گو تھنے۔ دوہ دِچ ہائے شہل شرہِ

موہس[3] لوبس کنِی بَرِیٖہ۔ نہٕ الوٗنی رٔہ

کرشن گو پوشرُن گنگایہ ہندِ جَل

چھلان ہیندِس مُسلمانس دِلک مَل

کرشن گو فکرِ تارُن وانسہ ہندِ وِیَر[5]

سُہ چھا اکی سُند؟ سُہ گو شرِتھ کانسہ ہندِ وِیَر

کرشن گو آتما سنت آتمابس!

تمس سوٗے چھہ حاصل[6] دیِہ گرہیس!

نوٹ:۔ ا۔ دِل ۲۔ غرور ۳۔ سو رٔے میوٗنے ۔ ۴۔ طمع

۵۔ جاداد ۶۔ مہربان ۔ ۷۔ لُبِح ۔ جان ۸۔ پرتھ سمیہ حقیقت

कृष्ण हृदयुच छु पंज़ आंइनु दारी
अहंकारस बनावान छुनकुसारी

कृष्ण गव थंन्य, दोदुच मालय,शुहुल स्नेह
मुहस लूबस कुनी ब्रेह, ज़ालुवन्य रेह

कृष्ण गव पोशिवुन गंगायि हुंद जल
कुलान हेंदिस मुसलमानस दिलुक मल

कृष्ण गव फिकिरि तारुन वाँसि हुंद न्युच
सु छा अंक्यसुंद सु गव प्रथकांसि हुंद न्युच

कृष्ण गव आत्मा सत आत्मा बस
तमिस सोरुय छु हांसिल दयायि गव यस

नोट:—(1) अहंकार= किबुर,(2) मोह=फनुनसुफन्द
(3) लूभ =लालुच,(4) ज[illegible]= पोन्य , आब

Krishna Leela

बालक अवस्था

BALAK AWASTHA

Can be had from:-

FAZIL KASHMIRI R/o. DAB TAL, SRINAGAR-2; KASHMIR.
Pin:- 190002